तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी, अंग्रेजी, त हिन्दी भाषा अन्तर

Issue - 104
June, 2021

इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस तीं खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड़ु दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। तुं सुझाव त लेख के अस भाड़ते रेहन्ते। धन्यवाद

विषय सूची

1.	अकेली बुढी	2
2.	दुआ	4
3.	सगाल सबक	5
4.	एईएं बोक	10
5.	पुरखी के अमानत	12
6	नोई भ्याग	14

अकेली बुढी

यक ग्रां यक गरीब बुढी थी। तसे कोई गभुर न थिए। से हमेशा सोचती रेहन्तीथ कि अगर में बि फीयुडु के ईं गभुरु भुन्तेथ त कतु बधिया भुन्तुथ। तसे ग्रां यक बुढा मेह्णु बि थिआ। बुढी दुख हेर कइ तेस मेह्णु तरस एई गा। तेन बुढी धे यक चहघोडु दुतु त बोलु, "इस चहघोड़ अन्तर अपु बगा केआं खजूर भरी आह्ण। बुढी जी ती कर कइ बगीचे लगो खजूरे बुटे बठ चढी़ त खजूर टोड़ी काइ तेन चहघोडु भरू। तोउं खजूरी के भरो चहघोड़ तेन आह्ण कइ तेन दवार कइ छऊ त अपफ समान आह्णण जे दुकान बठ घेई गई। जिखेईं से दुकाना वापस आई त हैरान त खुश भोई गई। तेस बुढी पूरा घर गभुरु बई भरी गो थिआ। बुढी सुआ खुश भोई गई। अन्तर एन्ते ई सोबी गभुर बुढी खुर बन्ने। बुढी सोबी अशुश दिती। बुढी चहघोड़ धे हेरु त से शुन्नु थियु। बुढी सुनसान जीन्दगी अन्तर खुशी एई गो थी। मठ मठ गभुरु तेस जे दादी दादी बोल कइ तसे पता पता हंठतेथ।

यक रोज बुढी थोड़ी बीमार भोई गई। पर सोब गभुर सुआ हल्ला करण लगो थिए। बुढी केहि लिंगि गभूर जे बोलु, "हल्ला ना करे, चुप बिशे।" पर गभुर कोढिया मानते।

विषय सूची

तोउं बुढी लेहर एई गई त तेन बोलु, "अउं अकेले ईं खरी थी। कम से कम चैन जुओई त उंघी सकतीथ। खरू भुन्तुथ, तुस जठिया आओ थिए, तहरे घेई घेन्तेथ।

अजगता, सोब गभुरु नियोग गए। बुढी घर पेहलाकण ईं शुन्ना भोई गा। बुढी अपु किओ बठ सुआ पछतावा आऊ। तेन सोचु कि अगर अउं चहघोडु अन्तर दुबारी खजूर भरी कइ रखूं त शयद गभुरु पेठि आईयेल।

से चहघोड़ घिन कइ खजूरे बुटे केईं पुजी। अजगता खजूरे बुटे अन्तर हजारों टीर निस गए। त से लेहरी कइ बुढी धे हेरण लगो थिए। बुढी डरी कइ अपु अन्तर नशि गई त तढिया पता केनि जेईं बुढी ना काई।

वैक्सीन केआं ज्यादी हिम्मत तुं अपु सुसुर सोचुण अन्तर असी। मन मोटा रखे। असी जीण असु त सुआ किछ हेरुण असु। तोउं त हर बकत खुश रिहे। तुस जेठि बि असे, खुश बिशे त होरी बी खुश रखे। जे चलो असा, ए बकत भुओ एस अन्तर हें किछ बश न चलता। असी अपु कम हिम्मत जुओई करुण असु किस कि जिन्दगी दुबारी न मेती।

विषय सूची

दुआ

हे परमपिता परमात्मा, पूरे सृष्टि सहारा तु भो,
डूबते मेह्णु तु बचान्ता।
हें नाव छलहारी बुछ हिलण डलण लगो असी
एस पार ला हे मालिका, अस पार ला,
बण कइ तु हें माझि, घिन गा।
असी सोबी तु पार ला।
चोहरो कना महामारी
करण लगो असी बरबादी,
हर कना टठे टठे बदेए, कॅण लगो असे, हे भगवाना!
अब कसे कना किछ सूझण नेई लगो, हे भगवाना!
तुईंए हें सहारा भुओ, तु असी घिन गा,
पार ला हे मालिका, असी सोबी पार ला।
पाप अन्तर जिन्दगी हें कष्ट सेहण लगो असी,
हे भगवाना, कीं बचते अस सोब,
हें इस पापी जिन्दगी,
हे ईश्वरा तुईंए यक आश भो,
तुईंए हें राजा, असी सोबी पार ला,
हे मालिका असी पार ला।

विषय सूची

सगाले सबक

यक जंगल अन्तर एक सगाल भुन्ताथ। से होरे जानवरी मुर्ख बणाई कइ अपु कम करान्तीथ। जंगले जानवरी तेस सगाल टाणे सुआ कोशिश की, पर से हमेशा नशि घेन्ताथ। इस साल ढेबु बग कुकड़ी फसल खरी भुओ थी। से दन रात बगे पेहरा देण लगो थिआ। सगाले नजर पको पको कुकड़ी सियुडु पुठ आओ थी। से सियुडु खाणे सोचुण लगो थिआ।

यक राति सगाला ढेबु बग घेई गा। तेनि मठे भोई पेठ भर सियुडु खे त गी जे घेई गा। भुओ ई थिऊ कि बगे पेहरा दी कइ ढेबु थकी गो थिआ त तेस उन्घ एई गो थी। हेउस भ्यागे ढेबु बग हेरण लगा त तेस कुकड़ी टुटो डा केये। तेस लगु ए कम पक्का सगाले भो, किस कि सगाले बगैर होरे कोई ईं कम ना कइ बठताथ। से होर रोज कियां सगाल टाणे सोचुण लगा। पर सगाल टाणे तेसे कोशिश बेकार गई।

विषय सूची

होर कना सगाल रोज ढेबु सियुड़ु खाई छान्ताथ त फसल खराप कइ छान्ताथ। ढेबु तोउं थकी कइ सगाली मौसी केईं गा, त सगाल टाण जे मदद मगी! सगाली मौसी राजी भोई गई। तेन्हि तेन्हि मी कइ तेस टाणे उपाय बणा।

दोके रोज ढेबु अपु बग यक खम्मा ला त तेस जोई सगाली मौसी बन्ह छई। होर अपु गी जे घेई गा। राति जिखेईं सगाल तेठि सियुड़ खाँ जे आ त सियूड़ु खान्ते खान्ते तेसे नजर सगाली मौसी पुठ गई। से सगाले धे हेरि कइ जोरी जोरी हसाण लगो थी। सगाली मौसी त बन्हिए थी। त सगाले कोई डर ना लगा। से तेसे भेएड़ गा त पुछु, "मौसीए! तु एठि केनि बन्हो असी? तु मेन्धे हेरि कई किस हसण लगो असी?" 'सगालिया, अउं इठि ढेबु बन्हो असी होर अउं हसण इसलिए लगो असी किस कि मोउं मज्जा अओ असा।" मौसी बोलु।

सगाले बोलु, "मोउं पता नेई लगण लगो बन्हिए कई तोउ की मज्जा एण लगो असा? सच्चे बोल की बोक असी?" "अच्छा शुण अउं ढेबु बगे रखवाली कती। एस एके बंटी के मेन्धे भ्यागे ब्यादी खीरण, लौछि त कढ़ाह देन्ता। दुई रोज पेहले अउं ढेबु केआं छुट्टी घिन गो थी त अब से बोलुण लगो असा,

विषय सूची

बगे पेहरा देण जे कोई नेईं त तोउं छुट्टी ना मेती। अउं राति कुरेह नशि न घियुं। तोउं त तेनि अउं इठि बन्हि छो असी।'' सगाली मौसी बोलु।

कढ़ाह लौछि त खीरणे नाउ शुणि कइ सगाले मुँह अन्तर पौणि एई गऊ। त तेन सगाली मौसी जे बोलु, ''तें किस्मत खरे असे। कि तु मोउं बि खलान्ती ना ए सोब?''

''ओ यारा कि बोक कता, शुई भ्यागे तोउ अउं ढेबु गी नेन्ती। पर कोईया आज मोउं कम असु, घेण जरूरी असु। कि तु में जगाई आज इठि पेहरा देन्ता ना? अउं झट वापस एई घेन्ती, भ्यागे। अस साते खीरण, लौछि त कढ़ाह खाण जे घेन्ते तोउं। सगाल तसे बंटी पेहरा देण जे तैयार भोई गा त बोलु ''मौसीए, तु मठे भोई गी गा। बस भ्याग भूण केआं पेहले एई गा।'' बस तोउं की थिऊ! सगाली मौसी सगाल तेठि बन्हा दे त ढेबु भियाण जे घेई गई। ढेबु ए बोक शुण कइ सुआ खुश भोई गा त मौसी बग पुजि। दुहि के हथ लेउड काई कइ सगाल डर लगि गा। ढेबु बोलु, ''तु अब जहि टेईये असा। सुआ रोजि तकर तेईं में बग मौज की। ई सज्जा तोउ मेती, त दुहि लेउडि बई से मडण ला।

विषय सूची

सगाल रोलते रोलते हथ जोडी़ कइ लगा बोलुण, "इस फेरी मोउं छड़ दिए। अब अउं कदी तें बग न एन्ता। अउं तोउ यक शर्त पुठ छड़ देन्ता कि तु इस जंगल छड़ि दी कइ नशि घेन्ता। मौत सम्हाणि काई कइ सगाल ढेबु बोक मानण पड़ी। सगाली मौसी से खोला त से तेस कियां नियोका कि से कदी ना काआ।

अब की बोलुण?

- परमेश्वर घमण्डी के गी ढाई छता,

पर विधवा जिल्हाणु के सीमा बाड़ सुसुर रखता।

- बुरी सोच परमेश्वर कुस्तरी लगती, पर शुचे मेह्णु के वचन मन लुभांते।

- लालची मेह्णु अपु टबरे दुख देन्ता,

पर गुझी हेर नफरत करणेबाड़ा जीन्ता रेहंता।

- धर्मी मेह्णु मन अन्तर सोचता कि की जबाव देण, पर दुष्ट मेह्णु मुहा बुरी बोके झड़ी घेन्ती।

- परमेश्वरे दुष्ट मेह्णु केईंया दूर बिशता, पर धर्मी मेह्णु के प्रार्थना शुणता।

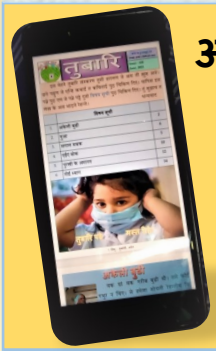

अपु मोबाईल पुठ तुबारि पत्रिका पढ़ुण जे अठवां पन्ने पुठ दुतो नंबर अन्तर संपर्क करे।

विषय सूची

कोरोना से बचें
सही से मास्क पहनें
हाथ धोएं बार बार
निभाएं दो गज की दूरी
जब तक दवाई नहीं
तब तक ढिलाई नहीं

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
आरोग्य सेतु ऐप
कोविड–19 से आपको सचेत करने और आपको सुरक्षित रखने के लिये लान्च किया गया है!
अभी डाउनलोड करें
Google play
Download on the App Store
With Aarogya Setu, you can protect yourself, your family and friends, and help our country in the effort to fight COVID-19

डरें नहीं
सावधान रहें
सुरक्षित रहें!
• वैक्सीनेशन करवाएं
• मास्क पहनकर रखें
• कोरोना नियमों का पालन करें
24x7 कोविड से संबंधित अधिक जानकारी के लिए 1075 अथवा 104 पर संपर्क करें
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरका
www.himachalpr.gov.in
HimachalPradeshGovtPRDept
DPR Himach

विषय सूची

एईए बोक...

भेश बदला, कि भु?

दिल बदलुण जरूरी असा,

यक दुई बोके ना, बल्कि पूरे बदलीण चाहिए।

तन्दरूस्त भुण जे झणे बदलण चाहिए,

अपु हके लिए दिल बदलुण चाहिए।

जे शुणाल वचन

से दिल केआं समझुण चाहिए,

दिल बदलण जे भगवान जुओई मिईण चाहिए।

ए दिल अपु गलती लिए अपणे मने मन रोलुण चाहिए।

आज त किछ बि नेई, पर अपु नजरिया बदलुण चाहिए।

जे दुनिये अन्तरा घेई गए, से असी मेएण नेई,

जे रेही गए, तेन्हि भगवाने शुची आत्मा मिईण चाहिए।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

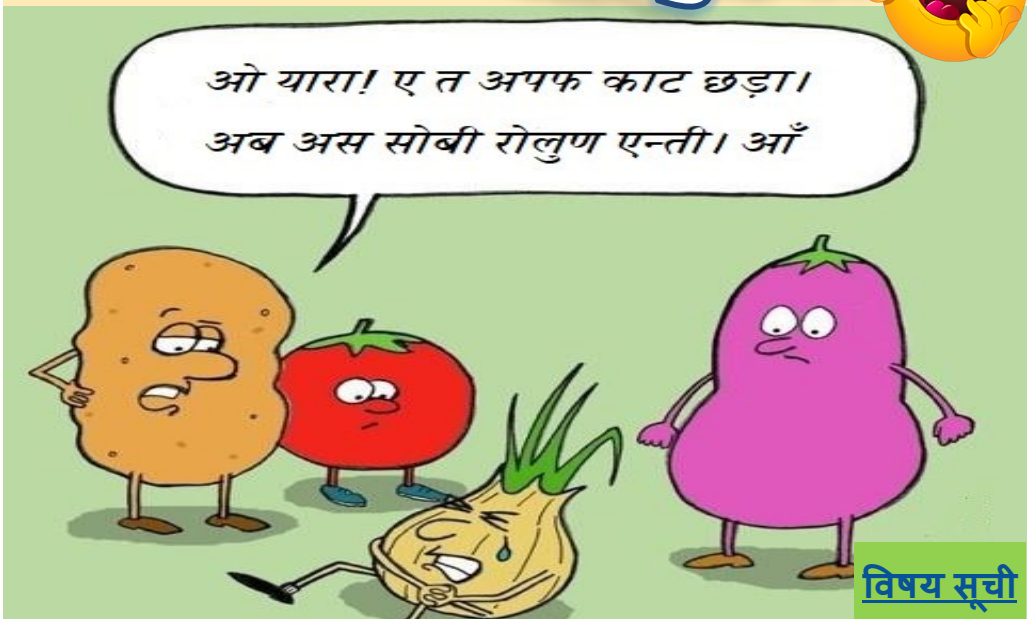

विषय सूची

पुरखी के अमानत

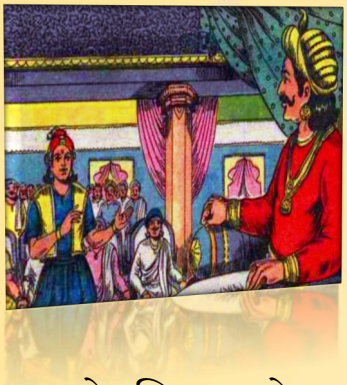

बोक पेहलेकण जमाने भो। यक राजा थिआ। राजे दरबार अन्तर सभा चलो थी। सभा अन्तर अब्बल झिणे लाई कइ यक व्यापारी आ। तेन व्यापारी अपफ जुओई साते यक सनूक अण्हतो थिआ। तेन व्यापारी हथ जोड़ी कइ राजे जे बोलु, "महाराज, अउं तीर्थयात्रा पुठ घेण लगो असा। हे महाराज, इस सनूक अन्तर में पुरखी के नशाणी असी। त सनूक अउं अपु गी ना रख सकता किस कि तेठि एस चोरणे डर असा। तोउं त, हे महाराज, अउं तुं छनेअरे कता कि में इस सनूक तुस कोठि सुसुर जगाई सम्हाई छड़े। जिखेईं अउं वापस आऊं, तिखेईं तोउं घिन घेन्ता।"

राजे सनूक तौला त व्यापारी धे रसीद दिती। तोउं राजे अपु बजीर जे बोलु, "इस सनूक तु अपु गी सम्हाई रख।" बजीरे सनूक नी कइ अपु गी मह्ढी़ उँचाई नियोकाइ छड़ा। पता केहि मेहने बाद से व्यापारी वापस आ त तेन राजे केआं अपु सनूक वापस मगा। राजे बजीर जे बोलु, "तु एस व्यापारी सनूक अपु गीहा घिन आई।" बजीर सनूक अण्हुण जे अपु गी गा।

विषय सूची

तोउं बजीर समझ गा कि व्यापारी किछ चलाकी किओ असी। बजीर सनूक ध्यान जुओई हेर कइ डरता डरता वापस दरवार अन्तर एई गा। त हथ जोड़ी कइ राजे जे बोलु, ''महाराज, इस व्यापारी सोब पुरखे में गी एई गो असे त से मोउं सनूक अण्होण देन्ते नोऊ।'' तोउं व्यापारी लेहरी कइ बोलु, ''ए बदमाश असा, महाराज! में सनूक हड़पण चाहान्ता।'' दरवार अन्तर सुआ मेह्णु बि व्यापारी कनारा बोलुण लगे। तोउं राजे बोलु, ''बजीरा, अस सोब जेईं तोउ जुओई तें गी एन्ते। त ध्यान रख, अगर ए बोक झुठी भुई त तोउ ठीक सज्जा मेती।'' तोउं सोबी दरवारी जुओई राजा बजीरे गी गा। तेठि बजीरे से सोब जेईं मह्ढी ऊँचाई नीए, जेठि से सनूक रखो थिआ। तेठि राजा हेरता त कि हेरता? चोहरो कनारा टींझि सनूक अन्तर एण घेण लगो थी। तोउं राजे नियांगे बेलि सनूक उघाड़ा त तेस अन्तर खन्न थी। से खन्न आधे केआं ज्यादा टींझि खाई छओ थी। ई सोब हेर कइ दरवारी बि अपफ बछ फुस फुसात करण लगे। तोउं राजे व्यापारी कैद करणे नियांग दिती त से डरी गा। तोउं तेन व्यापारी डर कइ सोब बोके राजे जे बोल छेई कि अउं यक ठग भो, व्यापारी ना भो। महाराज, तुं इन्हि केहि दरवारी अउं एस कम जे भिहो थिआ। तोउं राजे से ठग त दरवारी जेन्हि ए उपाय बणाओ थिआ, से सोब कैद कइ छड़े। त तेस बजीरे धे सुआ ईनाम दिती।

विषय सूची

नोई भ्याग

टगड़ियारि लोठु छलकू पूरब केआं

हसी कइ धरती सन्हुई नोई भ्याग फि आई

यक नोई आश अन्हतो असी, कल्हाई कइ

आई गरमी सुआ मौज अन्तर त नोउए दिसे भ्याग अन्तर

नोई रासण मुस्कराई,

नोई भ्याग फि आई।

खिल गए फियूडु बगींचे अन्तर

नोई मुश्क बसी गई बियार अन्तर

डा डा पुठ यक नोई निलियार आई नोई भ्याग फि आई।

नोउए राग अन्तर नोई चुं चुआत चडी़ चखुरु लगे शुणाण

भवरे त ब्रह्मोली के रुनझुन रुनझुन मन अब्बल लगी

नोई भ्याग फि आई।

मठ मठ गभुरु सोब खड़िए गए, खेल्हण जे सुस्ती छड़ दी कइ

जेन्के मीठी मीठी लियारी हुशेरी बई

घर दुआर अब्बल लगे, नोई भ्याग फि आई।

विषय सूची